



नंदिग्राम टाइम्स



Wednesday 3rd December 2025 | ● वर्ष - 9 | ● अंक 217 | ● पृष्ठ 04 | ● मूल्य - 2 रूपए | ● www.nandigramtimes.com

देश-दुनिया की बड़ी खबरें



BREAKING NEWS

लोकसभा की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव के नतीजे अब 21 दिसंबर को आएंगे। दिल्ली ब्लास्ट केस में आमिर राशिद को NIA की 7 दिन की और रिमांड पर भेजा गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस महीने के आखिर में पश्चिम बंगाल के दौरे पर जाएंगे। चीन ने श्रीलंका को राहत पैकेज के तौर पर 10 लाख डॉलर की सहायता दी।

कांग्रेस ने अपने लोकसभा सांसदों को 8 दिसंबर से 10 दिसंबर तक सदन में उपस्थित रहने को कहा। कांग्रेस ने अपने लोकसभा सांसदों को 8 दिसंबर से 10 दिसंबर तक सदन में उपस्थित रहने को कहा है। बता दें कि 8 दिसंबर सरकार ने वंदे मातरम पर चर्चा करने का ऐलान किया है, वहीं 9-10 दिसंबर को चुनाव सुधार पर चर्चा होगी।



BREAKING NEWS

एग्जिट पोल पर रोक...महाराष्ट्र निकाय चुनावों की मतगणना 3 दिसंबर को नहीं होगी, हाईकोर्ट ने तय की नई तारीख

More Information www.nandigramtimes.com

Maharashtra Local Body Election News: बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजे 3 दिसंबर को घोषित नहीं होंगे। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ ने मंगलवार को मतदान के बीच काउंटिंग की तारीख बढ़ाने का निर्देश दिया। इसी के साथ हाईकोर्ट ने एग्जिट पोल पर 20 दिसंबर तक के लिए रोक लगा दी।

एग्जिट पोल पर रोक...महाराष्ट्र निकाय चुनावों की मतगणना 3 दिसंबर को नहीं होगी, हाईकोर्ट ने तय की नई तारीख

मुंबई/नागपुर: महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों के पहले चरण के नतीजे 3 दिसंबर को घोषित नहीं किए जाएंगे। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ ने मंगलवार एक आदेश में कहा कि चुनाव आयोग 3 दिसंबर की बजाए 21 को नतीजे घोषित करे। गौरतलब हो कि निकाय चुनावों के पहले चरण में मंगलवार को वोट डाले गए थे। इनमें राज्य नगर पंचायत और नगर परिषद शामिल हैं, लेकिन महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग ने वोटिंग से ठीक दो दिन पहले 24 स्थानीय निकायों में वोटिंग की तारीख बदल दी थी। आयोग के इस फैसले से यहां चुनाव टल गए थे। अब बॉम्बे हाईकोर्ट ने मतगणना की नई तारीख तय कर दी है। इस फैसले की वजह यह ही कि अगर 3 दिसंबर को नतीजे आते, तो 24 स्थानीय निकाय जहां पर वोटिंग 20 को होगी, वहां के मतदाता प्रभावित हो सकते थे।

Exit Poll भी नहीं होंगे जारी बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ ने

महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) को सभी स्थानीय निकाय चुनावों की मतगणना तीन दिसंबर के बजाय 21 दिसंबर को कराने का मंगलवार को निर्देश दिया है। अदालत ने 20 दिसंबर तक 'एग्जिट पोल' पर भी रोक लगा दी। हाईकोर्ट यह निर्देश समय पर आया, जब राज्य में 264 नगर परिषदों और नगर पंचायतों के लिए मंगलवार को वोटिंग चल रही थी। एसईसी ने पिछले सप्ताह 24 स्थानीय निकायों के लिए चुनाव की तिथि पुनर्निर्धारित करते हुए 20 दिसंबर तय की थी। हाईकोर्ट एसईसी के 29 नवंबर के संशोधित कार्यक्रम को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। याचिकाओं में से एक में चंद्रपुर नगर परिषद के एक संभाग में चुनाव को 20 दिसंबर तक स्थगित किए जाने को चुनौती दी गई थी। संशोधित कार्यक्रम में शेष 26 वार्ड के लिए मतदान और परिणामों की घोषणा तथा मतगणना को मूल कार्यक्रम के अनुसार जारी रखने की अनुमति दी गई है।

21 दिसंबर तक सुनवाई स्थगित याचिकाकर्ताओं में से एक सामाजिक कार्यकर्ता सचिन चुटे ने अनुरोध किया कि परिणामों की घोषणा एक ही तिथि पर की जानी चाहिए, न कि अलग-अलग। याचिका में दावा किया गया कि निर्वाचन आयोग के आदेश ने इस मूलभूत सिद्धांत का उल्लंघन किया है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष होने चाहिए और सभी उम्मीदवारों को समान अवसर प्रदान करने चाहिए। चुटे के अधिवक्ता यश कुल्लरवार ने तर्क दिया कि सभी वार्ड के परिणाम एक साथ घोषित किए जाने चाहिए। याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता फिरदौस मिर्जा ने बताया कि हाईकोर्ट ने स्थानीय निकाय चुनावों की मतगणना 21 दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी है। हाईकोर्ट एसईसी के संशोधित चुनाव कार्यक्रम के खिलाफ याचिकाओं पर अगली सुनवाई 10 दिसंबर को करेगा। (एजेंसी इनपुट के साथ)

ऐन चुनाव में शिंदे के सिपाही पर शिकंजा! मतदान केंद्र में आचारसंहिता उल्लंघन, MLA संतोष बांगर पर मामला दर्ज



राज्य में नगरपरिषद और नगरपंचायत चुनाव का माहौल चरम पर है, ऐसे में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की नेतृत्व वाली शिवसेना के कळमनुरी के विधायक संतोष बांगर गंभीर आरोपों में घिर गए हैं। मतदान के बीच ही उन पर मतदान की गोपनीयता भंग करने और आचारसंहिता तोड़ने का आरोप लगा है। इस मामले में हिंगोली शहर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कर लिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, हिंगोली शहर के बाजार परिसर में स्थित मतदान केंद्र क्रमांक 3 पर संतोष बांगर वोट डालने पहुंचे थे। उसी दौरान उन्होंने एक महिला मतदाता को ईवीएम पर कौन-सा बटन दबाना है यह बताया, जो नियमों के खिलाफ है।

यहाँ तक ही नहीं—मतदान केंद्र के अंदर ही उन्होंने “स्वर्गीय बाळासाहेब ठाकरे का विजय हो” “एकनाथ शिंदे आगे बढ़ो, हम

स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजे 21 दिसंबर तक स्थगित; उद्धव ठाकरे का तंज — “मशाल की रोशनी में सारी धूल उड़ जाएगी”



संवाददाता |

मुंबई : महाराष्ट्र के कई नगर परिषद और नगर पंचायतों में आज मतदान संपन्न हुआ। पहले इन चुनावों के नतीजे कल घोषित होने थे, लेकिन कुछ स्थानों पर चुनाव स्थगित होने और न्यायालयीन प्रक्रिया लंबित रहने के कारण, अब सभी निकायों के नतीजे 21 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे। मुंबई हाई कोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने यह निर्णय सुनाते हुए कहा कि जब कुछ निकायों के चुनाव आगे बढ़ाए गए हैं, तो सभी के परिणाम एक साथ घोषित किए जाएं। राज्य चुनाव आयोग पहले ही उन क्षेत्रों में मतदान टाल चुका है, जहां नामांकन वापसी की पर्याप्त समय-सीमा नहीं मिल सकी थी।

इसी बीच, शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने चुनाव नतीजों में देरी पर अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। मातोश्री पर लगातार हो रहे पक्षप्रवेशों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि “जैसे हवा में प्रदूषण है, वैसे ही राजनीति में भी धूल उड़ाई जा रही है।” उन्होंने आरोप लगाया कि उनके नाम का उपयोग कर जानबूझकर भ्रम फैलाया गया, लेकिन जब धूल बैठती है, तो कट्टर शिवसैनिक वापस शिवसेना में आते हैं।

उद्धव ठाकरे ने ठाणे और कल्याण-डोंबिवली की राजनीति पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने शिवसेना के साथ अन्याय किया है, इसलिए वे मंत्रिमंडल में उनके साथ नहीं बैठ सकते थे। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ नेताओं ने विभिन्न बहानों से जनता को भ्रमित किया—कभी कहा अजित पवार निधि नहीं देते, कभी कहा कि हमने कांग्रेस के साथ हाथ मिलाया। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि “जो मुझे गालियां देते थे, वही आज अपने पोस्टरों में दिधे साहेब के बगल में सोनिया गांधी की फोटो लगा रहे हैं।”

ठाकरें ने ठाणे को शिवसेना का बालेकिल्ला बताते हुए शिवसैनिकों से भगवा ध्वज की पवित्रता बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा —“मशाल साथ रखो। मशाल की तेज रोशनी में सारी गंदगी जलकर खत्म हो जाएगी। भगवा पर कोई चित्र मत छापो, वह शिवरायों का है और पवित्र है।”

चुनाव आयोग पर सीधे टिप्पणी करने से बचते हुए उन्होंने अंत में कहा— “जब स्थानीय निकाय चुनाव ही आगे बढ़ा दिए गए हैं, तो चुनाव आयोग पर बोलना ठीक नहीं।”

महाराष्ट्र में अकेला पड़ा चुनाव आयोग, विपक्ष हमलावर तो..., निकाय चुनाव की काउंटिंग आगे बढ़ाने पर क्या बोले फडणवीस



संवाददाता |

मुंबई: महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनावों के बीच राज्य चुनाव आयोग अकेला पड़ गया है। पहले चरण की वोटिंग से पहले 24 स्थानीय निकायों में वोटिंग की तारीख बदल दी थी। इस मुद्दे पर विपक्ष जहां हमलावर है तो वहीं दूसरी तरफ सरकार भी साथ में नहीं है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले के बाद अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अदालत के फैसले को मंजूर करना पड़ेगा। दरअसल एक साथ नोटीफाइड चुनावों में कुछ की वोटिंग आगे बढ़ाई थी तो कोर्ट ने चाबुक चलाते हुए काउंटिंग की तारीख भी आगे बढ़ा दी। वैसे 2 दिसंबर को वोटिंग के बाद अगले दिन यानी 3 दिसंबर को काउंटिंग होनी थी।

क्या है हाईकोर्ट का निर्देश? बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने एक बड़ा फैसला सुनाते हुए महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) को निर्देश दिया कि सभी स्थानीय निकाय चुनाव की मतगणना 3 दिसंबर के बजाय 21 दिसंबर को कराई जाएगी। इस पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अदालत ने जो फैसला सुनाया है, वह मंजूर करना ही पड़ेगा। उन्होंने कहा कि खंडपीठ स्वायत्त है, राज्य चुनाव आयोग भी स्वायत्त है, लेकिन जो उम्मीदवार इतने दिनों से मेहनत कर रहा है उसे इस फैसले से निराशा होगी, जबकि उसकी कोई गलती नहीं है, लेकिन सिस्टम की खामियों की वजह से ऐसी बात हो रही है।

फडणवीस बोले-कभी ऐसा नहीं हुआ मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि पिछले

25-30 साल से वे स्थानीय निकाय के चुनाव देखते आ रहे हैं लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है कि घोषित किए गए चुनाव आगे टाले जा रहे हैं, मतगणना की तिथि को आगे टाला जा रहा है। यह उचित पद्धति नहीं लग रही है। यह पूछे जाने पर कि क्या यह चुनाव आयोग की गलती है ? मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा मत है कि यह गलती नहीं। जो कानून है, उसका गलत मतलब निकाला गया। सभी चुनावी प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद कोई अदालत चला गया तो चुनाव आगे टालने का नियम ठीक नहीं है। सोमवार को मैंने इस पर व्यक्तिगत नाराजगी प्रकट की थी, मेरी नाराजगी इलेक्शन कमीशन पर नहीं कानून पर आधारित है। उन्होंने कहा कि राज्य चुनाव आयोग को आगे भी कई चुनाव कराने हैं, उसे सुधार करना चाहिए। अगले चुनावों में ऐसा नहीं हो, इस बात का राज्य चुनाव आयोग को ध्यान रखना चाहिए।

चुनाव आयोग पर नाराज हुए बावनकुले बीजेपी नेता व राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि राज्य चुनाव आयोग कानूनों की गलत व्याख्या कर रहा है और बिना किसी आधार के चुनाव स्थगित कर रहा है। राज्य के किसी भी हिस्से से चुनाव स्थगित करने की कोई मांग नहीं की गई थी। मंत्री बावनकुले ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव में देरी की, जिसके परिणामस्वरूप उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव तीन चरणों में होने हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय निकाय चुनावों संपन्न कराने के लिए 31 जनवरी, 2026 की डेडलाइन तय की है।

गहन मतदाता पुनरीक्षण: सुधार की दिशा में संतुलन आवश्यक

संपादकीय |

चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की वर्तमान प्रक्रिया लोकतांत्रिक शुचिता को मजबूत करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। जनसंख्या की निरंतर गतिशीलता, आंतरिक प्रवासन और शहरी विस्तार के कारण मतदाता सूची में त्रुटियाँ बढ़ती जाती हैं। ऐसे में समय-समय पर पुनरीक्षण आवश्यक है, ताकि चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनी रहे।

SIR की मूल भावना — नए मतदाताओं को शामिल करना और मृत या स्थानांतरित मतदाताओं का नाम हटाना — अपने आप में अनिवार्य कार्य है। मतदाता सूची की शुद्धता ही निष्पक्ष चुनाव की आधारशिला है। किंतु इस बार की प्रक्रिया ने प्रशासनिक स्तर पर कुछ गंभीर प्रश्न भी खड़े किए हैं, विशेषकर बूथ स्तर अधिकारी (BLO) के बढ़ते दायित्वों को लेकर।

BLO वे कर्मचारी हैं जो जमीनी स्तर पर मतदाता सूची के वास्तविक संरक्षक के रूप में कार्य करते हैं। फॉर्म का वितरण-संग्रह, दस्तावेज़ सत्यापन, घर-घर संपर्क और डिजिटल अद्यतन — ये सभी कार्य सीमित समय और संसाधनों में पूरा करना उनके लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण सिद्ध हो रहा है। कई राज्यों से यह संकेत भी मिले हैं कि अत्यधिक दबाव के कारण BLO मानसिक और शारीरिक तनाव झेल रहे हैं। इतने महत्वपूर्ण कार्य के लिए प्रशासनिक समर्थन और संसाधनों का पर्याप्त प्रबंध होना आवश्यक है।

दूसरी ओर, मतदाताओं के लिए दस्तावेज़ों की जटिलता और समय-सीमा की कठोरता भी चिंता का विषय है। शहरी-गरीब, प्रवासी मजदूर और अस्थायी निवासियों के पास अक्सर आवश्यक प्रमाण उपलब्ध नहीं होते। यदि प्रक्रिया अत्यधिक सख्त हो जाए, तो योग्य नागरिकों के नाम सूची से बाहर होने का जोखिम बढ़ सकता है। यह लोकतांत्रिक अधिकारों के लिहाज़ से कोई स्वीकार्य स्थिति नहीं है।

स्पष्ट है कि मतदाता सूची का परिष्कार ज़रूरी है, किंतु इसे लागू करते समय संवेदनशीलता और सुचारु व्यवस्था का पालन समान रूप से आवश्यक है। BLO को पर्याप्त प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और समय मिलना चाहिए। साथ ही, नागरिकों को दस्तावेज़ी औपचारिकताओं को लेकर स्पष्ट और सरल मार्गदर्शन प्रदान किया जाए।

आखिरकार, मतदाता सूची की विश्वसनीयता केवल प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक आस्था का प्रतीक है। यदि SIR इस संतुलन को साध सके — अर्थात् शुद्धता और सहजता, दोनों को साथ लेकर चले — तभी यह प्रक्रिया वास्तव में सफल कही जाएगी।



एयर इंडिया ने यात्रियों की सुरक्षा को खतरे में डालते हुए एक्सपायर लाइसेंस वाले विमान का संचालन किया। इस गंभीर चूक के कारण डीजीसीए ने जांच शुरू कर दी है। एयरलाइन ने संबंधित लोगों को निलंबित कर दिया है। यह घटना एयर इंडिया की सुरक्षा छवि पर सवाल खड़े करती है। विमान को फिलहाल ग्राउंडेड कर दिया गया है।

Air India Probe: हादसे के बाद भी लापरवाह एयर इंडिया? गंभीर उल्लंघन का मामला, 8 बार उड़ाया 'अनफिट' विमान, मचा बवाल

नई दिल्ली: टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने हाल ही में यात्रियों की सुरक्षा को खतरे में डाला। उसने एक ऐसे विमान का संचालन किया जिसकी 'एयरवर्थिनेस' (हवा में उड़ने की योग्यता) का लाइसेंस एक्सपायर हो चुका था। 24-25 नवंबर को एक 164-सीटर एयरबस A320 विमान आठ बार उड़ा। इसका एयरवर्थिनेस सर्टिफिकेट वैध नहीं था। यह तब सामने आया जब एक इंजीनियर ने इस गड़बड़ी का पता लगाया। विमान को सेवा से हटा दिया गया। इस गंभीर चूक के कारण नागरिक उड्डयन

महानिदेशालय (DGCA) ने जांच शुरू कर दी है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब एयर इंडिया जून में हुए एक ड्रीमलाइनर क्रैश के बाद अपनी सुरक्षा छवि को सुधारने की कोशिश कर रही है। इसमें 260 लोगों की जान चली गई थी।

'एयरवर्थिनेस सर्टिफिकेट' डीजीसीए जारी करता है। इसे हर साल रिन्यू कराना पड़ता है। यह सुनिश्चित करता है कि विमान का नियमित रखरखाव हुआ है। वह उड़ान भरने के लिए सुरक्षित है। बिना वैध लाइसेंस और सर्टिफिकेट के

विमान उड़ाना गंभीर अपराध माना जाता है।

लग सकता है भारी जुर्माना। एक सरकारी अधिकारी के अनुसार, एयर इंडिया पर भारी जुर्माना लगने की संभावना है। इसमें शीर्ष अधिकारियों का निलंबन भी शामिल हो सकता है। एयर इंडिया ने उन सभी लोगों को निलंबित कर दिया है जो इस विमान को बिना वैध लाइसेंस के उड़ाने के फैसले में शामिल थे। फिलहाल, A320 विमान डीजीसीए की जांच लंबित रहने तक ग्राउंडेड है।

US Dollar Hegemony: | मोदी से क्या कहने वाले हैं पुतिन?

US Dollar Hegemony: मोदी से क्या कहने वाले हैं पुतिन? साथ मिला तो अमेरिका का 'ब्रह्मास्त्र' कर देंगे फेल, बड़ा है एजेंडा

मुंबई | नई दिल्ली: रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4-5 दिसंबर को भारत में होंगे। नई दिल्ली में वह 23वीं भारत-रूस वार्षिक शिखर बैठक में शिरकत करने पहुंचेंगे। उनकी यह यात्रा बेहद खास है। इसके एक अहम भू-राजनीतिक पल साबित होने की संभावना है। विश्लेषकों का मानना है कि इस मुलाकात में डॉलर के प्रभुत्व को कम करने (डी-डॉलराइजेशन) की कोशिशें मुख्य एजेंडा हो सकती हैं। भू-रणनीतिकार डॉ. ब्रह्मा चेलानी के अनुसार, यह दौरा सिर्फ एक कूटनीतिक पड़ाव नहीं है। इसके बजाय दुनिया के प्रतिद्वंद्वी गुटों में बंटने के दौर में एक 'पावरफुल जियोपॉलिटिकल स्टेटमेंट' है। उम्मीद है कि इस शिखर बैठक में नए पेमेंट चैनलों सहित ऐसे महत्वपूर्ण समझौते होंगे जो SWIFT सिस्टम को दरकिनार कर अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को कम करेंगे। पुतिन का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब भारत भारी-भरकम 50% अमेरिकी टैरिफ का सामना कर रहा है। रुपया डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर के आसपास पहुंच गया है। इसने आयात महंगा किया है।



मोदी से क्या कहने वाले हैं पुतिन? साथ मिला तो अमेरिका का 'ब्रह्मास्त्र' कर देंगे फेल, बड़ा है एजेंडा

डॉलर की अनदेखी भारत और रूस के लिए एक बड़ा कदम होगा। दोनों देश अमेरिका के नेतृत्व वाले प्रतिबंधों और डॉलर-केंद्रित वैश्विक व्यापार व्यवस्था से स्वतंत्र वित्तीय तंत्र बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, यह भी ध्यान रखना होगा कि भारत का डी-डॉलराइजेशन को लेकर रुख संतुलित रहा है। वह डॉलर को हटाने के पक्ष में नहीं है। न ही वह चाहता है कि इसकी टक्कर में कोई नई करेंसी लाई जाए। उसकी मंशा भारतीय रुपये को बढ़ावा देने की है।

भारत की क्या है टेंशन?

डॉ. चेलानी ने पश्चिमी देशों की ओर से वित्तीय दबाव बनाने पर भारत की रणनीतिक असहजता को भी उजागर किया है। उन्होंने कहा कि SWIFT और अन्य साधनों का हथियार के रूप में इस्तेमाल नई दिल्ली की चिंता का विषय है। उनके मुताबिक, पश्चिम के आक्रामक प्रतिबंधों ने रूस को चीन के रणनीतिक खेमे में और धकेल दिया है। इसे भारत अच्छी नजर से नहीं देखता।

हालांकि, पुतिन की यात्रा यह भी दर्शाती है कि रूस के पास चीन के अलावा भी विकल्प हैं। वह खुद को बीजिंग का 'जूनियर पार्टनर' बनने नहीं देगा। वहीं, भारत भी इस मौके का इस्तेमाल अपनी स्वायत्तता साबित करने के लिए कर रहा है।

डॉ. चेलानी ने कहा कि ट्रंप के दौर में अमेरिका ने भारत के साथ खराब व्यवहार किया और टैरिफ बढ़ाकर चीन से भी ज्यादा दबाव बनाया। पुतिन की मेजबानी करके भारत पश्चिमी देशों की 'हमारे साथ या हमारे खिलाफ' वाली सोच को खारिज कर रहा है और यह स्पष्ट कर रहा है कि वह रूस को अलग-थलग नहीं करेगा। यह शिखर बैठक भारत-रूस संबंधों की मजबूती और वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में अधिक स्वतंत्रता पाने की उनकी कोशिश का संकेत है। दोनों देश SWIFT के विकल्प पर काम कर रहे हैं, क्योंकि अमेरिका इसका इस्तेमाल प्रतिबंध लगाने के लिए करता है और यह डॉलर की वैश्विक भूमिका को चुनौती दे सकता है।

रेकॉर्ड पर पहुंचने के बाद धड़ाम हुई चांदी, सोना भी आया नीचे

रेकॉर्ड पर पहुंचने के बाद धड़ाम हुई चांदी, सोना भी आया नीचे, शादियों के सीजन में जानिए नया रेट

सोना और चांदी 46 साल में अपने सबसे बेहतर प्रदर्शन की तरफ बढ़ रहे हैं। सोने की कीमत में इस साल करीब 60 फीसदी तेजी आई है जबकि चांदी ने 100 फीसदी से अधिक रिटर्न दिया है। सोमवार को चांदी की कीमत ऑल-टाइम हाई पर पहुंची थी। जानिए आज का रेट...



नई दिल्ली: चांदी सोमवार को रेकॉर्ड पर पहुंच गई थी। इस साल इसकी कीमत में 104 फीसदी तेजी आई है जबकि सोना करीब 60 फीसदी बढ़ा है। लेकिन आज दोनों कीमती धातुओं की कीमत में गिरावट आई है। एमसीएक्स पर चांदी

की कीमत में 4,000 रुपये से ज्यादा गिरावट आई जबकि सोना 1,000 रुपये से ज्यादा सस्ता हुआ है। 5 फरवरी की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,30,652 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था और आज 1,30,110 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 129,597.00 रुपये तक लो और 130,778.00 रुपये तक हाई गया।

दोपहर बाद 3.00 बजे सोना 10,37 रुपये यानी 0.79 फीसदी गिरावट के

साथ 1,29,615 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इस साल अब तक 11 महीनों में से सोने की कीमत में 10 बार तेजी आई है और यह 46 साल में अपने सबसे बेहतर प्रदर्शन की तरफ बढ़ रहा है। पिछले 100 साल में सोने का यह चौथा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होगा। उसने 1973, 1974 और 1979 में इससे बेहतर प्रदर्शन किया था।

चांदी की कीमत

चांदी सोमवार को 1,82,998 रुपये किलो के ऑल टाइम हाई पर पहुंचने के

बाद 1,82,030 रुपये पर बंद हुई थी। आज यह 1,80,701 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 1,77,750 रुपये तक लो और 1,80,701 रुपये तक हाई गई। 3.10 मिनट पर यह 3,930 रुपये यानी 2.16 फीसदी गिरावट के साथ 1,78,100 रुपये पर ट्रेड कर रही थी। चांदी की कीमत हाल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहली बार 58 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंची थी। चांदी भी 1979 के बाद पहली बार अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की ओर बढ़ रही है।

असीम मुनीर जालिम तानाशाह, वह दिमागी बीमार... इमरान खान ने लगाया टॉर्चर का आरोप, बोले- मुझे कुछ हुआ तो

असीम मुनीर जालिम तानाशाह, वह दिमागी बीमार... इमरान खान ने लगाया टॉर्चर का आरोप, बोले- मुझे कुछ हुआ तो

बर्फ में बदल गया

इस्लामाबाद: पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से उनकी बहन उजमा खान ने मुलाकात की है। यह मुलाकात अदियाला जेल में हुई, जहां उन्होंने करीब 20-25 मिनट तक इमरान खान से बात की। इस मुलाकात के बाद उजमा ने बताया कि इमरान खान शारीरिक रूप से तो स्वस्थ हैं, लेकिन उन्हें मानसिक यातनाएं दी जा रही है। इसके बाद इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने एक बयान जारी किया, जिसमें इमरान खान से उजमा की हुई बातचीत का पूरा ब्योरा दिया गया। इस बातचीत में इमरान खान ने पाकिस्तानी सेना, फील्ड मार्शल असीम मुनीर और खुफिया एजेंसी आईएसआई पर गंभीर आरोप लगाए।



WORLD NEWS

इमरान खान को मौत की सजा जैसी कोठरी में रखा गया

पीटीआई का कहना है कि इमरान खान को मनमाने ढंग से 850 दिनों से हिरासत में रखा गया है। पार्टी का आरोप है कि “जनरल असीम मुनीर के तहत तानाशाही मिलिट्री शासन” ने UN

मंडेला नियमों का उल्लंघन किया है, अलावा कोई चारा नहीं बचा है। उन्होंने बताया, "मुझे पिंजरे में बंद करके टॉर्चर इमरान को मौत की सजा देने के बाद कहा कि ISI मेरी कैद से जुड़े सभी किया गया और जानवरों से भी बुरा कैदियों को जैसी फैसिलिटी में रखा एडमिनिस्ट्रेटिव मामलों को कंट्रोल करती बताया किया गया। मेरे सेल की बिजली जाता है, वैसी जगह रखा गया है। मैं फिर से कह रहा हूं: अगर मुझे पांच दिनों तक बंद रही। मुझे दस दिनों तक सेल में बंद रखा गया। अगर जेल में कुछ भी होता है, तो आर्मी चीफ और DG ISI जिम्मेदार होंगे। उन्होंने यह भी मुझे कुछ होता है, तो असीम मुनीर कहा कि मुझे अकेले कैद में रखा गया जिम्मेदार होगा।" उन्होंने पाकिस्तानी है। मेरा सेल ओवन की तरह गर्म होता सेना प्रमुख और फील्ड मार्शल असीम मुनीर पर निशाना साधते हुए कहा, "असीम मुनीर इतिहास का सबसे जालिम तानाशाह है और दिमागी तौर पर अस्थिर है। उसके राज में जुल्म का लेवल बेमिसाल है। असीम मुनीर अपनी पावर की हवस को पूरा करने के लिए कुछ भी कर सकता है।"

मुझे कुछ हुआ तो मुनीर और आईएसआई चीफ जिम्मेदार: इमरान

इमरान खान ने उजमा से मुलाकात के बाद कहा कि सेना ने मेरे खिलाफ जो कुछ भी कर सकते हैं, कर लिया है। अब इमरान खान ने असीम मुनीर को बताया उनके पास बस मुझे मार डालने के

भारत में तैनात होगी रूसी सेना... पुतिन के दौरे से पहले मिलिट्री सहयोग समझौते को मंजूरी, अब और चिढ़ेंगे ट्रंप



संवाददाता | **NEWS AGENCY**

मॉस्को: रूस की संसद के निचले सदन स्टेट ड्यूमा ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के दौरे से पहले भारत के साथ मिलिट्री सहयोग पर एक समझौते को मंजूरी दे दी है। इस समझौते को मंगलवार को स्टेट ड्यूमा के पूरे सेशन में मंजूरी दी गई। इस समझौते का मकसद आपसी सेना की ड्रिल, बचाव और मानवीय कोशिशों को आसान बनाना है। इसके अलावा रूस और भारत को एक दूसरे की जमीन पर कानूनी तौर पर सैनिक और सामान तैनात करने की इजाजत मिलेगी। माना जा रहा है कि इस समझौते से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ज्यादा चिढ़ सकते हैं। उन्होंने रूसी तेल खरीद के कारण पहले ही भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाया है।

पुतिन के भारत दौरे पर क्या होगा

पुतिन 4-5 दिसंबर को भारत का अपना दसवां दौरा करेंगे। यह 2021 के बाद उनका पहला भारत दौरा होगा। इस दौरान रूसी राष्ट्रपति के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कई आपसी मुद्दों पर चर्चा करने की उम्मीद है। इस दौरान भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग एजेंडे में सबसे ऊपर रहने की संभावना है। भारत और रूस 1960 के दशक की शुरुआत से ही रक्षा क्षेत्र में पार्टनरशिप कर रहे हैं। भारत ने रूस समेत दोस्त देशों की डिफेंस कंपनियों को घरेलू हथियार बनाने के लिए बढ़ावा दिया है, ताकि मोदी के ‘मेक इन इंडिया’ इनिशिएटिव को

बढ़ावा मिल सके।
क्रेमलिन ने पुतिन के दौरे को बताया जरूरी
क्रेमलिन ने पिछले हफ्ते एक बयान में कहा, “यह दौरा बहुत जरूरी है, जो पॉलिटिकल, ट्रेड-इकोनॉमिक, साइंटिफिक-टेक्नोलॉजिकल और कल्चरल-ह्यूमैनिटेरियन फील्ड में रूस-भारत के रिश्तों के बड़े एजेंडा पर पूरी तरह से चर्चा करने का मौका देता है, साथ ही मौजूदा इंटरनेशनल और रीजनल मुद्दों पर भी विचार करता है।” पीएम मोदी और पुतिन पिछली बार सितंबर में चीन के शहर तियानजिन में शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइज़ेशन (SCO) समिट में मिले थे।

S-400 की मिसाइलों खरीदना चाहता है भारत

ऐसी रिपोर्ट है कि भारत मई में पाकिस्तान के साथ टकराव के बाद स्टॉक को फिर से भरने के लिए रूस में बने S-400 सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम के लिए 300 मिसाइलों खरीदना चाहता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एस-400 मिसाइल सिस्टम ने पाकिस्तान के खिलाफ जबरदस्त शक्ति प्रदर्शन किया था। ऐसी संभावना है कि भारत एस-400 की कुछ और बैटरियों की खरीद पर भी समझौता करे। इसके अलावा एस-500 मिसाइल सिस्टम के साझा विकास और दूसरे कई हथियारों पर समझौता हो सकता है।



ऑपरेशन सिंदूर में भारत के हाथों पिटाई को ‘शानदार एजीक्यूशन’ बता रहा पाकिस्तान, एयरफोर्स चीफ ने पीठ थपथपाई

इस्लामाबाद: पाकिस्तान ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के हाथों हुई पिटाई को ‘शानदार एजीक्यूशन’ का नाम दे रहा है। इसे लेकर पाकिस्तानी वायुसेना प्रमुख जहीर अहमद बाबर सिद्ध ने अपनी पीठ भी थपथपाई है। उन्होंने इसे पाकिस्तानी वायुसेना का फुल स्पेक्ट्रम, मल्टी-डोमन ऑपरेशन करार दिया। उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ अनमैड एरियल सिस्टम, किलर ड्रोन्स और लोइटरिंग म्यूनिशन्स का इस्तेमाल किया था। हालांकि, सच्चाई यह है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान के लगभग 1 दर्जन प्रमुख एयरबेसों को धुआं-धुआं कर दिया था। इतना ही नहीं, पाकिस्तान के कई लड़ाकू विमान, ट्रांसपोर्ट विमान, हेंगर और रनवे भी तबाह हो गए थे।

पाकिस्तानी वायुसेना प्रमुख ने शेखी बघारी को मंगलवार को रिसालपुर में PAF एकेडमी में एक ग्रेजुएशन सेरेमनी को

संबोधित करते हुए, पाकिस्तानी एयर चीफ जहीर अहमद बाबर सिद्ध ने कहा कि इतिहास में पहली बार, पाकिस्तान एयर फोर्स ने स्पेस, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर के साथ-साथ लॉन्ग रेंज वेक्टर्स अनमैड एरियल सिस्टम, किलर ड्रोन्स और लोइटरिंग म्यूनिशन्स का इस्तेमाल करते हुए फुल स्पेक्ट्रम, मल्टी-डोमेन ऑपरेशन किया। उन्होंने आगे कहा, “...पाकिस्तान एयर फोर्स के ऑपरेशन का शानदार एजीक्यूशन देखकर दुनिया हैरान रह गई, जिसे बहुत अच्छे से कोरियोग्राफ किया गया था और बिना किसी गलती के किया गया।”

भारत पर जीत का किया दावा
एयर चीफ सिद्ध ने कहा: "हम एक मुश्किल ग्लोबल और रीजनल माहौल के चलते मुश्किल समय में जी रहे हैं। हमारे दुश्मन हमेशा हमारे प्यारे देश की आज़ादी को कमजोर करते रहे हैं। इस साल मई में हुई हालिया लड़ाई भी इसी का एक उदाहरण है।" उन्होंने

शेखी बघारते हुए कहा, "अल्हमुदिलिल्लाह, एकता का शानदार प्रदर्शन करते हुए, पाकिस्तान के लोगों और उसकी सेनाओं ने दुश्मन को कहीं ज्यादा ताकत से हराया।" उन्होंने कहा कि मरका-ए-हक और बनयान-उम-मरसूस के दौरान मिली कामयाबी एक एकजुट राष्ट्रीय सोच और अल्लाह की खास रहमत का नतीजा थी।

राफेल को लेकर फिर बोला झूठ
पाकिस्तानी एयरचीफ मार्शल ने दावा किया, “6 और 7 मई की उस मनहूस रात को, जब हमलावर ने पाकिस्तान की आज़ादी को चुनौती दी, तो PAF ने कम संख्या में लड़ने की अपनी विरासत को कायम रखा और दुश्मन के सबसे मॉडर्न और काबिल एयरक्राफ्ट – जिसमें कई राफेल, Su-30MKI, मिराज 2000, MiG-29 और अनमैड एरियल सिस्टम शामिल थे – को पक्के सबूतों और इलेक्ट्रॉनिक सिगनेचर के साथ मार गिराया।”



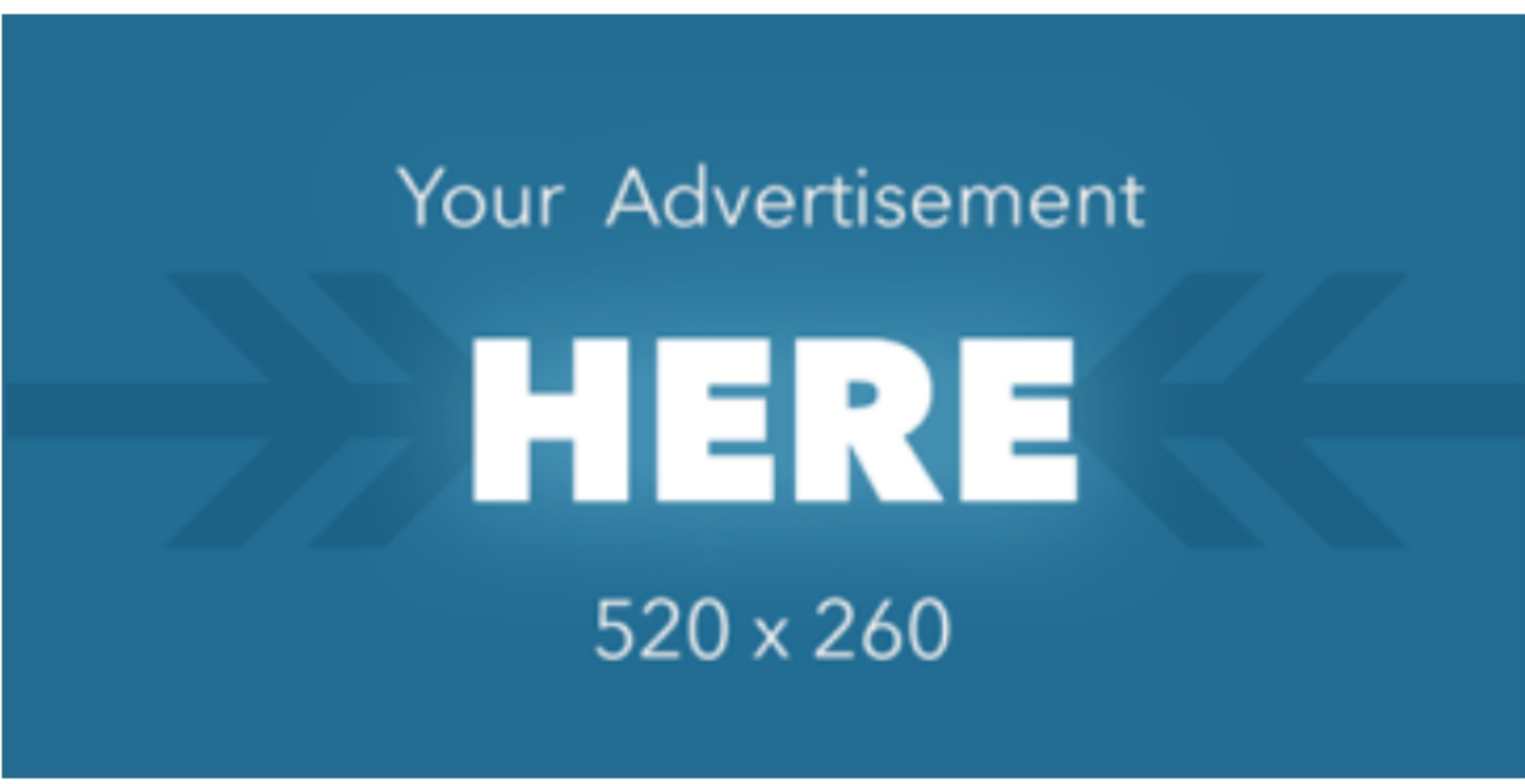
दुनिया में होने जा रहा बड़ा युद्ध... अमेरिकी अरबपति एलन मस्क ने दी परमाणु जंग की चेतावनी, जानें कहां पर मंडरा रहा खतरा

वॉशिंगटन: टेस्ला और एक्स के मालिक अरबपति एलन मस्क लगातार भविष्य को लेकर दुनिया को आगाह कर रहे हैं। जनसंख्या में कमी हो या एआई का इस्तेमाल, एलन मस्क ने मानवता को सचेत किया है। एलन मस्क ने अब चेतावनी दी है कि अगले 5 से 10 साल में दुनिया में एक बड़ा युद्ध छिड़ सकता है। यह परमाणु युद्ध भी हो सकता है। एक्स पर लिखे एक पोस्ट में एलन मस्क ने कहा कि जल्द ही दुनिया एक वैश्विक संघर्ष में फंस सकती है। ट्रंप सरकार के साथ काम कर चुके मस्क ने वैश्विक प्रशासन पर परमाणु प्रतिरोधक क्षमता के असर को लेकर चल रही एक बहस में यह पोस्ट किया। मस्क के इस बयान के बाद बहस तेज हो गई है।

मस्क ने Hunter Ash नामक यूजर के एक पोस्ट के जवाब में यह कहा। इस यूजर ने दावा किया था कि दुनियाभर की सरकारें प्रशासन के मामले में कम प्रभावी हैं और इसके पीछे वजह यह है कि उन्हें किसी विदेशी युद्ध के खतरे का डर नहीं है। इसके जवाब में एलन मस्क ने खुलकर कहा कि एक बड़ा युद्ध होने जा रहा है। आप सवाल कर सकते हैं कि कब और कहां होने जा रहा है? इस पर मस्क ने कहा कि साल 2030 तक यह युद्ध हो सकता है। मस्क ने कहा, 'युद्ध अवश्यसंभावी है। 5 साल अधिकतम 10 साल।'

ताइवान से लेकर यूक्रेन तक तनाव हालांकि एलन मस्क ने अपनी संभावना को बहुत ज्यादा विस्तार में नहीं बताया। इससे एक्स यूजर को यह नहीं पता चल पाया कि उनकी आशंका किसको लेकर है लेकिन उनकी एक्स के एआई ग्रीक का कहना है कि इससे पहले के एक बयान में एलन मस्क ने विश्व व्यवस्था को लेकर कहा था। इसमें यूरोप में माइग्रेशन संकट और वैश्विक संघर्ष के खतरे को बताया था। मस्क अमेरिका में Department of Government Efficiency के मुखिया रह चुके हैं। ग्रीक ने बताया कि एलन मस्क ने किसी पक्ष या कारण के बारे में नहीं बताया है।

ग्रीक ने बताया कि एलन मस्क यूरोप और ब्रिटेन में बड़े पैमाने पर प्रवासन और पहचान की राजनीतिक की वजह से गृहयुद्ध, अमेरिका और चीन के बीच ताइवान को लेकर युद्ध, यूक्रेन में चल रही लड़ाई के तीसरे विश्वयुद्ध में बदलने की चेतावनी दे चुके हैं। मस्क का कहना है कि परमाणु प्रतिरोधक क्षमता होने के बाद भी दुनिया में तनाव बढ़ रहा है। हालांकि मस्क ने अपनी मूल पोस्ट में किसी तनाव या लड़ाई का नाम नहीं लिया है। फिर भी माना जा रहा है कि उनका इशारा ताइवान, यूक्रेन और यूरोप के आंतरिक संकट की ओर है।





नंदिग्राम टाइम्स



Wednesday 3rd December 2025

● वर्ष - 9

● अंक 217

● पृष्ठ 04

● RNI-MAHHIN/2016/69743

● www.nandigramtimes.com



अनधिकृत भूखंड होंगे वैध

ग्रामीण क्षेत्रों में अनधिकृत भूखंड होंगे वैध, सरकार ने 31 दिसंबर 2025 तक बढ़ाई

नांदेड़ : महाराष्ट्र गुंठेवारी विकास अधिनियम (नियमन, श्रेणीवृद्धि एवं नियंत्रण) 2021 के अंतर्गत राज्य सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में मौजूद अनधिकृत भूखंडधारकों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने 31 दिसंबर 2020 से पहले अस्तित्व में आए अनधिकृत भूखंडों और उन पर बने निर्माणों को नियमाधीन (अधिकृत) करने की मंजूरी प्रदान की है।

जिले में नगरपालिका, महानगरपालिका और नगरपंचायती क्षेत्रों को छोड़कर शेष ग्रामीण

भागों के लिए यह निर्णय लागू रहेगा। अनधिकृत भूखंडों के नियमितीकरण हेतु प्रस्ताव दाखिल करने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर अब 31 दिसंबर 2025 कर दिया गया है।

जिल्हाधिकारी राहुल कर्डिले ने कंधार और लोहा तालुकों में गुंठेवारी से संबंधित प्रस्ताव स्वीकार करने तथा उन पर आवश्यक कार्रवाई करने के अधिकार कंधार के उपविभागीय अधिकारी को सौंपे हैं। इन दोनों तालुकों के ग्रामीण

नागरिक अब अपने वे भूखंड और निर्माण, जो 31 दिसंबर 2020 से पहले अस्तित्व में थे, नियमितीकरण के लिए आवेदन कर सकते हैं।

इसके लिए आवेदकों को निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र तथा आवश्यक दस्तावेजों सहित अपना प्रस्ताव संबंधित कार्यालय में जमा करना होगा। सरकार के इस कदम से हजारों भूखंडधारकों को कानूनी वैधता हासिल करने का अवसर प्राप्त होगा।

CRIME NEWS | नांदेड़ हत्या काण्ड पर नया खुलासा

नांदेड़ हत्या काण्ड पर नया खुलासा : “कांटे का गुलदस्ता जब सूखेगा... तब तुम्हारा अंत होगा” – सदावर्ते का सनसनीखेज दावा

● Reporter Name

Nanded Murder Case: नांदेड़ के सक्षम ताटे हत्याकांड से जुड़े नए-नए खुलासों ने पूरे महाराष्ट्र को हिलाकर रख दिया है। एडवोकेट गुणवंत सदावर्ते ने पुलिस विभाग के दो कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि आरोपी परिवार को भड़काने का काम थाना स्तरीय पुलिसकर्मियों ने ही किया। इसी मुद्दे पर सदावर्ते ने आज विशेष पुलिस उपमहानिरीक्षक (IG) शहाजी उमाप से मुलाकात की।

● आंचल ने शव के साथ किया विवाह – देशभर में चर्चा

आंतरजातीय प्रेम संबंधों से जन्मी इस घटना में 27 नवंबर को सक्षम ताटे की हत्या कर दी गई थी। घरवालों को रिश्ते पर एतराज था। आरोप है कि लड़की के दोनों भाइयों और पिता ने मिलकर सक्षम की हत्या की।



नांदेड़ हत्या काण्ड पर नया खुलासा

हत्या के बाद प्रेयसी आंचल मामिलवाड ने सक्षम के शव के साथ विवाह किया था। इस घटना ने महाराष्ट्र में बड़ी चर्चा पैदा की। अब आंचल सक्षम के घर पर ही रह रही है और उसने अपने नाबालिग भाई से जान का खतरा भी बताया है।

“पुलिसकर्मियों ने भड़काया” – एड.सदावर्ते ने आरोप लगाया कि इतवारा पुलिस थाने के दो कर्मचारियों ने आंचल और आरोपी परिवार को भड़काने का काम किया। उनका कहना है कि—घटना से कुछ घंटे पहले आंचल को पुलिस थाने ले जाया गया, वहाँ सक्षम के

खिलाफ झूठा केस दर्ज कराने की कोशिश हुई, उस समय पुलिस कर्मचारियों और आरोपी परिवार के बीच संदिग्ध बातचीत हुई, आंचल का फोन मोके पर ही तोड़ दिया गया, उन्होंने इन पुलिसकर्मियों के खिलाफ जांच की मांग की है।

● “एक साल पहले भी खोटी शिकायत लिखवाने का दबाव”

एड.सदावर्ते ने कहा कि सक्षम को पहले भी गलत तरीके से आरोपित किया गया था, जिसके चलते वह तीन महीने जेल में रहा। जेल से बाहर आने पर उसे एक कांटों का गुलदस्ता दिया गया और कहा गया —“जब यह पुष्पगुच्छ सूख जाएगा... तब तुम्हारा अंत भी हो जाएगा।” इस कथन का संदर्भ अब हत्या से जोड़कर देखा जा रहा है।

● सुरक्षा की मांग

IG उमाप के सामने मृतक की मां और आंचल ने भी पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। दोनों ने आशंका जताई कि आरोपी किसी भी समय जमानत पर बाहर आ सकते हैं, जिससे उनकी जान को खतरा है। एड.सदावर्ते ने पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने और निष्पक्ष जांच की मांग की है।



More Information

www.nandigramtimes.com

सवा करोड़ की ठगी मामला: पुणे के ‘लखोबा लोखंडे’ राजवीर मल्होत्रा की जमानत कोर्ट ने की खारिज

नांदेड़: सिप्टा कंपनी के मशीनरी स्कैप दिलाने के नाम पर ₹1 करोड़ 15 लाख की बड़ी ठगी सामने आई है। इस मामले में नांदेड़ ग्रामीण पुलिस ने पुणे निवासी राजवीर सिंह मल्होत्रा, जिसे स्थानीय लोग ‘लखोबा लोखंडे’ के नाम से जानते हैं, को गिरफ्तार किया था। अदालत में पेशी के दौरान आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर उसे न्यायालयीन हिरासत में भेजने के आदेश दिए गए।

घटना के अनुसार नांदेड़ शहर के चैत्यनगर इलाके में रहने वाले मोहम्मद ताहिर अली और उनके सहयोगी ख्वाजा मोईनुद्दीन के साथ आरोपी राजवीर ने सिप्टा कंपनी के 5 हजार टन मशीनरी स्कैप उपलब्ध कराने का दावा

किया था। इसके लिए 12 अगस्त 2024 को गवाहों की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ। करार के अनुसार आरोपी को स्कैप सप्लाई करना था, लेकिन उसने वादा पूरा नहीं किया।

शिकायतकर्ता द्वारा 15 नवंबर 2025 को नांदेड़ ग्रामीण पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया गया। शिकायत मिलते ही पुलिस निरीक्षक ओमकांत चंचोलकर ने विशेष पथक का गठन किया। पथक ने पुणे में जाल बिछाकर राजवीर मल्होत्रा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस हिरासत खत्म होने पर आरोपी ने जमानत की मांग की, लेकिन मामले की गंभीरता देखते हुए अदालत ने जमानत ठुकरा

दी।

● पैसे का लेन-देन और खुलासा

करार पर विश्वास कर शिकायतकर्ताओं ने आरोपी के बैंक खाते और नकद मिलाकर ₹1 करोड़ से अधिक राशि दी थी। कई बार संपर्क करने के बावजूद जब कोई जवाब नहीं मिला, तो शिकायतकर्ताओं ने सिप्टा कंपनी से सीधे संपर्क किया। वहीं पता चला कि आरोपी ने कंपनी को एक भी पैसा जमा नहीं किया था। पैसे वापस मांगने पर आरोपी ने ₹30 लाख और ₹35 लाख के दो चेक दिए, लेकिन दोनों चेक बाउंस हो गए, जिसके बाद मामला और गंभीर हो गया।

संवाददाता चाहिए

नंदिग्राम टाइम्स,
दैनिक समाचार पत्र, नांदेड़ को

नांदेड़ जिले के हर तालुका और शहर से संवाददाता की आवश्यकता है।

यदि आप समर्पित, उत्साही और अवसर की तलाश में उभरते या अनुभवी पत्रकार हैं, तो हमसे तुरंत व्हाट्सएप पर संपर्क करें।
आपकी कलम ही हमारी ताकत है!,

संपर्क करें

+919921100075

email id- ntinfodesk@gmail.com



More Information

www.nandigramtimes.com

रात तक लगी रहीं वोटरों की कतारें; रिकॉर्ड मतदान

रात तक लगी रहीं वोटरों की कतारें; लोहा, कुंडलवाड़ी और हिमायतनगर में रिकॉर्ड मतदान

मंगलवार को जिले की दस नगरपालिकाओं और एक नगर पंचायत के लिए हुए मतदान में कई स्थानों पर देर रात तक मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें दिखाई दीं। विशेष रूप से लोहा, कुंडलवाड़ी और हिमायतनगर में इस बार रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया।

दोपहर 3:30 बजे तक मतदाताओं में खास उत्साह नहीं दिख रहा था, लेकिन 4:30 बजे के बाद बड़ी संख्या में लोग घरों से निकलकर मतदान केंद्रों की ओर पहुंचे, जिसके चलते कई केंद्रों पर रात देर तक मतदान प्रक्रिया जारी रही।

मतदान प्रतिशत
मंगलवार को हुए मतदान में जिलों का मतदान प्रतिशत इस प्रकार रहा —
लोहा — 81.80%
कुंडलवाड़ी — 79.39%
हिमायतनगर — 77.71%
बिलोली — 75.62%
भोकर — 75.27%
कंधार — 76.02%
कुंडलवाड़ी — 74.27%
मुदखेड़ — 73.55%
उमरी — 71.53%
देगलूर — 71.31%
हदगोव — 65.80%

इनमें लोहा, कुंडलवाड़ी और

हिमायतनगर में मतदानकर्ताओं की ऐतिहासिक भागीदारी से प्रशासन भी हैरान रहा।

मतगणना का इंतज़ार बढ़ा तनाव अगले 20 दिनों तक मतगणना न होने से उम्मीदवारों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों में बेचैनी बढ़ गई है। अधिकारी सूत्रों के अनुसार —11 नगराध्यक्ष पदों के लिए कुल 71 उम्मीदवार मैदान में थे। 121 प्रभागों के लिए 873 प्रत्याशी चुनावी मुकाबले में शामिल रहे। अब सभी उम्मीदवारों का भविष्य ईवीएम में बंद होने के बाद नज़रें सिर्फ मतगणना की तारीख पर टिकी हैं।